

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5537
बुधवार, 6 अप्रैल, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए
विलवणीकरण प्रौद्योगिकी संयंत्र

5537. श्रीमती पूनमबेन माडम:

श्री अरुण साव:

श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर:

श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरे:

श्री एस.सी.उदासी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) समुद्री जल से पेयजल बनाने वाली निम्न तापमान विलवणीकरण (एल.टी.टी.डी.) प्रौद्योगिकी पर आधारित समुद्री जल को पेयजल के रूप में परिवर्तित करने के लिए देश में विलवणीकरण प्रौद्योगिकी संयंत्रों से उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने समुद्री जल से पेयजल बनाने के लिए गुजरात सहित देश के तटीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में संयंत्र लगाने की कोई योजना तैयार की है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन संयंत्रों से इस प्रकार बनाए जाने वाले पेयजल की प्रति लीटर लागत क्या है;
- (घ) क्या सरकार तटीय क्षेत्रों के आस-पास विशेषकर से गुजरात में, विलवणीकरण यूनिटों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) उक्त योजना कब तक क्रियान्वित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) चेन्नई के माध्यम से समुद्री जल को मीठे पेय जल में परिवर्तित करने के लिए निम्न तापमान ऊष्मीय विलवणीकरण (LTTD) प्रौद्योगिकी विकसित की है, तथा संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप द्वीपसमूह में कुल तीन, कवारत्ती (2005), मिनिकॉय एवं अगात्ती (2011) में एक-एक, विलवणीकरण संयंत्र स्थापित किए हैं। इन संयंत्रों की सफलता के आधार पर गृह मंत्रालय ने संघराज्य क्षेत्र लक्षद्वीप के माध्यम से अमिनी, अंद्रोथ, चेतलेत, कदमत, कल्पेनी, तथा किल्टन में 1.5 लाख लीटर प्रति दिन की क्षमता वाले 6 और LTTD संयंत्र स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।
- (ख) जी, नहीं।
- (ग) प्रश्न नहीं उठता।
- (घ) जी, नहीं।
- (ङ) प्रश्न नहीं उठता।
